मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–001

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

सी.वी.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों ही खण्डों में से प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 \times 20 = 80$

(क) वर्ग एवं वर्गमूल और घन एवं घनमूल में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) वैदिक गणित का महत्व बताते हुए **तीन** के नियम की व्याख्या कीजिए।

(ग) वेदाङ्ग के महत्व को लिखते हुए वेदाङ्ग ज्योतिष पर प्रकाश डालिए।

(घ) उत्तर वैदिक कालीन भारतीय गणित पर लेख लिखिए।

(ङ) जैनकालीन और बौद्धकालीन गणित पर प्रकाश डालिए।

(च) गणितशास्त्र का परिचय लिखते हुए गणित के तकनीकी शब्दों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$4 \times 5 = 20$

(क) मुद्रा

(ख) वर्गमूल की भाग विधि

(ग) कलन

(घ) वैदिन गणित की विशेषताएँ

(ङ) शून्य

(च) बीजगणित

× × × × ×